This question paper contains 7 printed pages.]

Your Roll No. .....

1684

B.Com. (Hons.) / III A

Elective Group : EG – ENTREPRENEURSHIP AND SMALL BUSINESS

Paper XXXI – Entrepreneurship Development

(Admissions of 2004 and onwards)

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note : The maximum marks printed on the question paper are applicable for the candidates registered with the School of Open Learning for the B.Com. (Hons.). These marks will, however, be scaled down proportionately in respect of the students of regular colleges, at the time of posting of awards for compilation of result.

Note : Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी **या** हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

Attempt any **five** questions.
Each question carries equal marks.

कोई **पाँच** प्रश्न कीजिए ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

1. "Economic, sociological and psychological theories of entrepreneurship differ in terms of their relative emphasis on the roles of the environment and the individual in entrepreneurial emergence and success." Elaborate the statement in the light of the basic propositions that these theories make.

"उद्यमिता के आर्थिक, समाजविज्ञानीय और मनोवैज्ञानिक सिद्धांत उद्यमकर्त्ता-आविर्भाव और सफलता में पर्यावरण और व्यक्ति की भूमिकाओं पर सापेक्ष महत्त्व की दृष्टि से भिन्न हैं ।" इन सिद्धांतों द्वारा प्रस्तुत मूलभूत प्रस्थापनाओं को ध्यान में रखते हुए इस कथन का विशदीकरण कीजिए ।

OR/अथवा

"Resource based view of entrepreneurship takes away its essential element, that is, ability of the entrepreneurs to see and act upon the opportunities regardless of the resources presently owned or controlled." Do you agree with the statement ? Give reasons for your answer.

"उद्यमिता का संसाधन आधारित दृष्टिकोण उसके सारभूत तत्त्व अर्थात् सम्प्रति स्वामित्व अथवा नियंत्रण के अनपेक्ष उद्यम कर्त्ताओं की अवसरों को परखने और तदनुकूल कार्य करने की योग्यता को नकार देता है ।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं ? अपने उत्तर के लिए कारण बताइए ।

2. What is meant by total entrepreneurial activity within the meaning of Global Entrepreneurship Monitor ? What has been India's recent ranking in this regard ? Discuss.

वैश्विक उद्यमिता मॉनीटर के अर्थान्तर्गत समग्र उद्यमकर्त्ता क्रिया-कलाप से क्या तात्पर्य है ? इस संबंध में भारत का हाल का दर्जा क्या है ? विवेचन कीजिए ।

OR/अथवा

(a) "Indian business continues to be dominated by business families." Do you agree ? Give reasons for your answer.

(b) Why is small business said to be the seedbed of entrepreneurship ?

(क) "भारतीय व्यवसाय पर व्यावसायिक परिवारों का प्रभुत्व बना हुआ है ।" क्या आप सहमत हैं ? अपने उत्तर के लिए कारण बताइए ।

(ख) छोटे व्यवसाय को उद्यमिता का अंकुरण-क्षेत्र क्यों कहा जाता है ?

3. Write notes on :

(a) Business Incubators.

(b) Venture Capital

संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) व्यवसाय परिपाक काल

(ख) जोखिम पूँजी

OR/अथवा

(a) Role of Entrepreneurs' Associations in the promotion of small enterprises.

(b) Independent Consultants and Entrepreneurship development.

(क) लघु उद्यमों के संवर्धन में उद्यमकर्त्ता संघों की भूमिका

(ख) स्वतंत्र परामर्शदाता और उद्यमिता विकास

4. "Opportunity is a circumstantial precursor to the idea of business as well as business idea." Discuss with reference to the various sources of business ideas. Also develop a framework for identifying an opportunity.

"अवसर व्यवसाय की योजना और साथ ही व्यावसायिक विचार का पारिस्थितिक पूर्वगामी है ।" व्यावसायिक विचारों के विभिन्न स्रोतों के संदर्भ में विवेचन कीजिए । अवसर-अभिनिर्धारण के लिए एक ढाँचा भी विकसित कीजिए ।

OR/अथवा

(a) Differentiate between entrepreneurship and intrapreneurship. What role does intrapreneurship play in the success of an existing business ?

(b) Discuss the role of NSIC in the promotion of small entrepreneurship.

(क) उद्यमिता और नवोत्पाद प्रवर्तक प्रबंधन में विभेद कीजिए । नवोत्पाद प्रवर्तक प्रबंधन मौजूदा व्यवसाय की सफलता में क्या भूमिका निभाता है ?

(ख) लघु उद्यमिता के संवर्धन में एन.एस.आई.सी. की भूमिका का विवेचन कीजिए ।

5. Clarify the concept of feasibility in relation to a proposed business. What is the significance of the estimation of market size and analysis of product life cycle in the assessment of commercial viability ?

प्रस्तावित व्यवसाय के संबंध में साध्यता की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए । वाणिज्यिक व्यवहार्यता के निर्धारण में बाज़ार आमाप के आकलन और उत्पाद जीवन काल के विश्लेषण का क्या महत्त्व है ?

OR/अथवा

(a) Differentiate between private and social cost-benefit analysis by giving suitable examples.

(b) Describe briefly the issues involved in assessing the overall profitability of a proposed business.

(क) उपयुक्त उदाहरण देते हुए निजी और सामाजिक लागत-लाभ विश्लेषण में विभेद कीजिए ।

(ख) किसी प्रस्तावित व्यवसाय की समग्र लाभकारिता के निर्धारण में समाविष्ट मुद्दों का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

6. "Creation of a separate Ministry for Micro, Small and Medium Enterprises was an attempt to consolidate the policy initiatives and institutional framework for the development of this sector." Elaborate this statement and describe the role of the ministry in this regard.

"सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के लिए पृथक मंत्रालय का सृजन इस क्षेत्रक के विकास के लिए नीतिगत पहल और संस्थागत ढाँचे के दृढ़ीकरण के लिए एक प्रयास था ।" इस कथन का विशदीकरण कीजिए और इस संबंध में मंत्रालय की भूमिका का वर्णन कीजिए ।

OR/अथवा

(a) "The current policy for the promotion of micro. small and medium enterprises represents an absolute departure from the Gandhian philosophy of self-sufficient cottage and village industries." Discuss.

(b) Describe briefly the salient contributions of any one national-level financial institution for promoting entrepreneurship and small business.

(क) "सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के संवर्धन के लिए वर्तमान नीति आत्म-निर्भर कुटीर और ग्राम उद्योगों के गांधी-दर्शन से पूर्णत: विचलन है ।" विवेचन कीजिए ।

(ख) उद्यमिता और लघु व्यवसाय के संवर्धन के लिए किसी एक राष्ट्रीय वित्त संस्था के मुख्य योगदान का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।